6 जुलाई 2017 को इन्दौर, मध्यप्रदेश में आयोजित किए जा रहे 4th Annual National Summit on Good and Replicable Practices and Innovations in Public Health Systems 2017 के उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

1. केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे ''4th Annual National Summit on Good and Replicable Practices and Innovations in Public Health Systems 2017'' में शामिल होकर मुझे प्रसन्नता हो रही है।

2. आज यहां पर विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ–साथ वैश्विक स्तर की संस्थाओं *WHO, UNICEF, USAID* के प्रतिनिधि भी उपस्थित हैं। वे इस बात पर चर्चा और विचार–विमर्श करेंगे कि कौन–कौन सी स्वास्थ्य संबंधी good and innovative practices हैं जिन्हें अखिल भारतीय स्तर पर नेशनल हेल्थ मिशन से जोड़कर अधिक–से अधिक लोगों को उपलब्ध कराया जा सकता है। National Health Mission केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। बहुत ही परिश्रम, मनोयोग और नवोन्मेष के साथ पूरे देश में इसके सफलतापूर्वक संचालन का वृहत् लक्ष्य हमारे सामने है। इस अवसर पर उन राज्यों एवं संघशासित प्रदेश को सम्मानित भी किया जा रहा है जिन्होंने स्वास्थ्य रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट कार्य किया है। हमारा सारा ध्यान एवं लक्ष्य बस इसी पर केन्द्रित होना चाहिए कि किस प्रकार हम अस्पताल आने वाले रोगियों को श्रेष्ठतम, आधुनिकतम एवं उत्कृष्ट चिकित्सा व्यवस्था एवं सेवा सुश्रुषा कम–से–कम लागत पर उपलब्ध करा सकते हैं।

3. इस समारोह के अवसर पर जो पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है उसके विषय बहुत रूचिकर हैं और मैं देख रही हूं कि पूरे देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो Best and Replicable Practices हो रही हैं, इन पोस्टरों के माध्यम से लगभग 50 विषय जनसामान्य

तक पहुंचेंगे। उदाहरण के तौर पर चंडीगढ़ में हेल्थ सिस्टम के तहत आधार से जन्म प्रमाण पत्र को लिंक करना और महाराष्ट्र में पुणे के ससून जनरल अस्पताल में Human Milk Bank की स्थापना, जो नवजात शिशु के लिए अत्यन्त लाभदायक सिद्ध हो सकती है। **क्या ब्लड बैंक की तरह हम Drug Bank की भी स्थापना कर सकते हैं क्या? ताकि उपयोग करने के उपरान्त शेष बचे medicines को donate कर जरूरतमन्दों को की मदद की जा सके।**

4. जहां तक innovation और हेल्थ केयर का संबंध है, अपने देश में इस दिशा में कई अस्पताल आगे आए हैं जिन्होंने इस दिशा में बेहतर कार्य किया है। कई समूह एवं संस्थाएं हैं जिन्होंने innovative तरीके से क्रमशः tier 2 एवं tier 3 शहरों में रहने वाले हृदय रोगियों, ग्रामीण क्षेत्रों एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में रहने वाले रोगियों, नेत्र से संबंधित रोगियों एवं महिलाओं के लिए सस्ती एवं सर्वसुलभ चिकित्सा उपलब्ध कराने का कार्य किया है। सस्ते, उपयोगी, कम लागत एवं स्थानीय उपलब्ध सामग्रियों से बनाया गया दुनिया भर में प्रसिद्ध जयपुर फुट innovation और भारतीय निर्माण कौशल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। Innovative Business models in Indian health care sector are attracting world attention.

5. भारत का हेल्थ सेक्टर दुनिया के सबसे बड़े हेल्थ केयर सिस्टम्स में से एक है। हमारे हेल्थकेयर सिस्टम में बहुत–सी खूबियां और खामियां भी हैं। भारत में health sector के दो हिस्से हैं। एक पब्लिक सेक्टर और दूसरा प्राइवेट सेक्टर। बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ स्वास्थ्य की जरूरतों की पूर्ति के लिए प्राइवेट हेल्थ सेक्टर में बहुत तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। एक अनुमान के अनुसार शहरी क्षेत्रों में लगभग 70 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 63 प्रतिशत लोग अपनी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए प्राइवेट सेक्टर पर निर्भर हैं और हम सभी जानते हैं कि सरकारी क्षेत्र के अस्पतालों पर अपनी क्षमता की तुलना में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने का दबाव है और उन्हें किस प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ता है। देश के

सरकारी अस्पताल overburdened हैं। इसलिए सरकारी क्षेत्रों के अस्पतालों पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। कहीं–कहीं तो स्थिति इतनी गंभीर है कि कई जगह diagnostic test और surgery के लिए भी कई–कई महीनों की waiting होती है। हमारी अधिकतर चिकित्सा सुविधाएं शहरी क्षेत्रों में ही उपलब्ध हैं। हमारे गांवों में जहां कि 68 प्रतिशत population निवास करती है वहां केवल 2 प्रतिशत डॉक्टर हैं। इसलिए भी शहरी क्षेत्रों में प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर दोनों, अस्पतालों पर काफी दबाब पड़ता है।

6. देश में अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदान करने का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण पहलू अच्छे और स्पेशियालिटी हॉस्पिटल की स्थापना है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए specialist बढ़ रहे हैं। बल्कि मुझे परिचित डॉक्टरों ने बताया है कि अब ज़माना speciality का ही नहीं बल्कि super speciality का है क्योंकि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जटिलताएं बढ़ती जा रही हैं। साथ ही Advanced research के कारण मेडिकल ज्ञान में भी बहुत तेजी से विस्तार हो रहा है और साथ–साथ मेडिकल सुविधाओं एवं अस्पतालों का भी विस्तार हो रहा है। बड़े–बड़े अस्पताल जिनकी क्षमता एक हजार–दो हजार बेड की होती हैं, स्थापित हो रहे हैं और इन अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ–साथ डॉयग्नोस्टिक सुविधाएं और वैकल्पिक चिकित्सा एवं उससे जुड़ी हुई सुविधाएं जैसे फीजियोथेरेपी, स्पोर्ट्स फिटनेस, म्युज़िक थेरेपी, योग इत्यादि स्थापित होती जा रही हैं और उनमें हजारों की संख्या में डॉक्टर एवं कर्मचारी काम करते हैं। अर्थात् अस्पताल केवल चिकित्सा सुविधा के केन्द्र न होकर उससे ज्यादा कुछ और भी हैं। अस्पताल में भी बहुत–सी स्वास्थ्य से संबंधित समग्र (holistic) गतिविधियां होती हैं जो आज के परिवेश में आवश्यक भी है। इन सब कारणों से अस्पतालों के प्रबंधन एवं प्रशासन में बहुत जटिलताएं होती जा रही हैं। डॉक्टर, जो कि विषय के विशेषज्ञ होते हैं एवं उनकी अपनी विशिष्ट दक्षता होती है। यदि उन्हें अस्पताल प्रशासन संभालने का अतिरिक्त कार्य सौंपा जाता है तो न केवल उन पर अनावश्यक बोझ पड़ता है बल्कि उनकी दक्षता भी इससे प्रभावित हो सकती है। इसलिए Hospital Management and Administration का जिम्मा उन दक्षता प्राप्त विशेषज्ञों को सौंपा जाए जिन्होंने इस

विधा में अलग से प्रशिक्षण लिया है और तकनीकी रूप से hospital administration के कार्य को कुशलतापूर्वक संभाल सकते हैं। Hospital Management and Hospital Administration से संबंधित विषय भी आपस में एक दूसरे से inter-connected हैं। जहां प्रबंधन को अस्पताल से संबंधित सारी व्यवस्थाएं देखनी होती है वहीं hospital administration उसका एक हिस्सा है। बदलते समय एवं परिवेश में Hospital Management और Technology के क्षेत्र में जितनी तेजी से उन्नति हो रही है, उसे देखते हुए योजना तैयार करने और व्यवस्था को समय–समय पर upgrade करने की आवश्यकता है। विश्वस्तरीय अस्पताल प्रबंधन हम तभी दे पाएंगे जब इस दिशा में और व्यापक विचार–विमर्श हो एवं रोगियों के साथ–साथ अस्पताल के कार्मिकों सहित उन सभी व्यवस्थाओं का सुनिश्चित प्रबंधन किया जाए ताकि दीर्घ काल में उनकी सेवाएं best and replicable हों।

7. Make in India की तरह Wellness in India को हमें बढ़ाना चाहिए क्योंकि हम होलिस्टिक ट्रीटमेंट करते हैं। हमारी परम्परागत चिकित्सा पद्धति केवल बीमार का नहीं बल्कि बीमारी का भी इलाज करते हैं। हमारे परंपरागत चिकित्सा पद्धति में वह ज्ञान, कौशल एवं दक्षता है जिससे हम सहज, सरल उपायों के माध्यम से आम बीमारियों का सस्ता एवं सुगम इलाज उपलब्ध करा सकते हैं। हमारी चिकित्सा पद्धति में भी गहन marketing, research और patent की आवश्यकता है। हमारे प्राइवेट सेक्टर के कई अस्पताल एवं वहां उपलब्ध सुविधाएं विश्वस्तरीय हैं जिससे दुनिया के दूसरे देशों के लोग भी यहां इलाज कराने आते हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीक के साथ–साथ मरीज को भावनात्मक सम्बल भी मिलता है, स्नेह और सेवा हम भारतीयों की पहचान है और विदेशी लोगों के लिए भारतीय अस्पताल एक अच्छा एवं नया अनुभव होता है। हमारे यहां यदि और अधिक संख्या में skillful Doctors, able paramedical staff, best ancillary support systems and best

infrastructure की उपलब्धता हो, तो मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र से आय में अति तीव्र गति से वृद्धि होने का अनुमान है।

8. जैसा कि हम सभी जानते हैं कि "health is wealth" और यह भी उतना ही सच है कि Good health is not something we can buy. However, it can be extremely valuable Savings Accounts. इसलिए अच्छे स्वास्थ्य के महत्व को हम सभी जानते हैं एवं उसकी प्राप्ति के लिए हमें नियमित रूप से प्रयत्न (व्यायामादि) करना चाहिए। शास्त्रों में भी लिखा हैः–

''व्यायाम् लभते स्वास्थ्यं दीर्घायुष्यं बलं सुखम्।
आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्।।''

{One gets health, strength, long life and happiness by exercise. Good health is gratest blessing, health is means of everthing}.

9. वर्तमान में भारत एक युवा देश है, 25 वर्षों के उपरान्त हमारे देश में युवाओं के साथ–साथ वृद्धों की संख्या में भी वृद्धि होगी। अतः, भविष्य में हमें मौजूदा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं के साथ–साथ चिकित्सा की नई विधाओं यथा Gerontology (वृद्धावस्था से संबंधी चिकित्सा विज्ञान), Mental health care, Emotional Health Care इत्यादि पर विशेष ध्यान देना होगा। नई विकसित हो रही इन शाखाओं के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन से Integrated and preventive healthcare का लक्ष्य सिद्ध हो सकेगा।

10. इन्दौर मध्यप्रदेश की आर्थिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक राजधानी है और मध्यभारत एवं आस–पास के शहरों के लिए महत्वपूर्ण health centre भी है। इन सब बातों की पृष्ठभूमि में, इन्दौर में आयोजित होने वाले इस Summit का महत्व और भी बढ़ जाता है कि किस प्रकार हम स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित innovative techniques and good practices को जन–जन तक पहुंचा सके। ऐसी कई योजनाएं जो विभिन्न राज्यों एवं संघशासित प्रदेशों में चल रही है, उनकी innovativeness and practical

applicability को ध्यान में रखते हुए क्या हम ऐसा कुछ सोच सकते हैं जिससे बेहतर स्वास्थ्य रक्षा एवं परम्परा स्थापित हो सके? इस विषय में हमें गहन मंथन एवं खुले दिमाग से विचार विमर्श करना चाहिए। उदाहरण के लिए कुछ योजनाओं की सफलता को देखते हुए सम्पूर्ण भारत में उसे replicate किया जा सकता है। सिक्किम में प्रत्येक patient को CATCH (Chief Ministers Comprehensice Annual Total Checkup for Healthy Sikkim) के तहत साल में एक बार निःशुल्क पूर्ण चेक अप किया जाता है। Village Health Sanitation and Nutrition Committee के तहत प्रशिक्षित लोग, आशा, एनजीओ, हेल्थ वर्कर सभी मिलकर इस योजना को चला रहे हैं।

11. हालांकि स्वास्थ्य राज्य का विषय है, परंतु Central Govt. is committed for a paradigm shift in health care system. अलग–अलग क्षेत्रों में छह नए एम्स की स्थापना, कई आयुष अस्पतालों की स्थापना, स्वच्छता अभियान, घर–घर टॉयलेट का निर्माण, स्वच्छ पेयजल का प्रावधान, नदियों की सफाई एवं पर्यावरण की देखभाल इत्यादि कदम भी नागरिकों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के सुदृढ़ीकरण की दिशा में प्रयास हैं। "The best practice is health and hygiene which should be replicated everywhere. Prevention is better than cure."

12. सरकार द्वारा स्वास्थ्य देखभाल को लेकर एक नई पहल 'सेहत (Social Endeavour for Health and Telemedicine)' की शुरूआत की गई है जिससे हेल्थ केयर के क्षेत्र में आम नागरिकों को जानने, समझने एवं उपयोग में लाने संबंधी जागरूकता बढ़ेगी और यह डिजिटल तकनीकों के इस्तेमाल के माध्यम से लोगों के लिए समुचित विकल्प बनकर उभरेगा। सभी लोगों के स्वास्थ्य संबंधी हेल्थ रिकॉर्ड को केन्द्रीकृत रखने की व्यवस्था हो सकती है क्या? ताकि रोगी की स्वास्थ्य संबंधी हालत की सम्पूर्ण जानकारी अस्पताल को उपलब्ध रहे जिससे न केवल रोगी का इलाज आसानी से हो सके बल्कि जांच पर आने वाला खर्च भी कम हो।

13. उपचार कम लागत वाली होनी चाहिए और पर्यावरण की दृष्टि से Sustainable होना चाहिए। हमारे अस्पताल डॉक्टरों, रोगियों, परिचारकों एवं अन्य अनुषंगी स्टॉफ आदि सभी के लिए सुरक्षित होना चाहिए। प्रख्यात एवं दूरदर्शी वैज्ञानिक थॉमस एडिसन ने कहा था जिसे मैं दोहराती हूं:– "The doctor of the future will give no medicine, but will interest his patients in the care of the human frame, in diet and in the cause and prevention of disease." सौ वर्ष पूर्व कहे गए उनके कथन आज भी सामयिक एवं प्रासंगिक सिद्ध हो रहे हैं।

14. हमें अपनी स्वास्थ्य प्रणाली को इसी दिशा में ले जाना है। स्वास्थ्य क्षेत्र के सकारात्मक एवं लाभकारी प्रयोगों को समग्रता से अखिल भारतीय स्तर पर प्रचारित–प्रसारित करना है। I would like to say "Make our health Care System healthy, caring, low cost, innovative, sensitive and more ethical." इन्हीं शब्दों के साथ, मैं 4th Annual National Summit on Good and Replicable Practices and Innovations in Public Health Systems 2017 का सहर्ष शुभारंभ करती हूँ।

जय हिन्द।

————